‘गेटवे ऑफ हेल’: तुर्कमेनस्तिान

हाल ही में ‘तुर्कमेनस्तिान’ ने वशिाल प्राकृतकि गैस भंडारण- ‘दरवाज़ा गैस क्रेटर’ (जहाँ मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन सल्फाइड और हीलयिम का मश्रिण मौजूद) में अक्सर लगने वाली आग को बुझाने का तरीका खोजने का फैसला कयिा है। ‘दरवाज़ा गैस क्रेटर’ को 'गेटवे टू हेल' के रूप में भी जाना जाता है।

- तुर्कमेनस्तिान को मीथेन रसिाव का केंद्र माना जाता है। वर्ष 2019 में तटवर्ती तेल और गैस परचिालन में 50 सबसे गंभीर मीथेन गैस रसिावों में से 31 तुर्कमेनस्तिान में हुए थे।
- यह ‘एरज़िोना’ में मौजूद सभी कारों के वार्षकि उत्सर्जन के बराबर जलवायु प्रभाव डालता है।

मीथेन रसिाव की गंभीरता

- पृथ्वी की सतह पर मौजूद ओज़ोन, जो कि एक खतरनाक वायु प्रदूषक और ग्रीनहाउस गैस है, के नर्िमाण में मीथेन का प्राथमकि योगदान होता है, जसिके संपर्क में आने से प्रतविर्ष 1 मलियिन लोगों की मौत हो जाती है।
- मीथेन (Methane) भी एक शक्तशिाली ग्रीनहाउस गैस है। 20 साल की अवधि में यह कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में वायुमंडल को 80 गुना अधकि गर्म करती है।

//

प्रमुख बदिु

- **परचिय:**
  - तुर्कमेनस्तिान की राजधानी अश्गाबात से 260 कलिोमीटर दूर काराकुम रेगस्तिान में स्थति यह क्रेटर पछिले 50 सालों से जल रहा है।
  - क्रेटर देश में एक महत्त्वपूर्ण पर्यटक आकर्षण बन गया है। 2018 में देश के राष्ट्रपति ने आधकिारकि तौर पर इसका नाम बदलकर "काराकुम की चमक" (**“Shining of Karakum”**) कर दयिा।
- **क्रेटर की उत्पत्त:**
  - सोवयित भूवैज्ञानकि काराकुम रेगस्तिान में तेल के लिए ड्रलिगि कर रहे थे, जब उन्होंने गलती से प्राकृतकि गैस के एक पॉकेट से पृथ्वी ढह गई और तीन वशिाल सकिहोल बन गए।
    - **सकिहोल** जमीन में एक अवसाद है जसिमें कोई प्राकृतकि बाहरी सतह जल नकिासी नहीं है, ये ऐसे क्षेत्र हैं जो भूजल

द्वारा **अंतर्निहित चूना पत्थर के आधार को भंग** कर देते हैं।
    - उत्पत्ति का विवरण वास्तव में ज्ञात नहीं है, लेकिन यह कहा गया है कि क्रेटर 1971 में सोवियत ड्रिलिंग ऑपरेशन के दौरान बनाया गया था।
  - स्थानीय लोगों ने यह भी कहा है कि क्रेटर वर्ष 1960 के दशक में बनाया गया था, लेकिन 1980 के दशक तक इसमें आग नहीं लगाई गई थी।
  - यह भी कहा जाता है कि सोवियत शासन के दौरान तेल और गैस बहुत महँगी वस्तुएँ थीं, इसलिये क्रेटर बनना एक गोपनीय जानकारी बनी हुई है।
- **बंद करने का कारण:**
  - यह पर्यावरण और आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।
  - **मूल्यवान प्राकृतिक संसाधनों की हानि** और लोगों की भलाई में सुधार हेतु उनका उपयोग कर सकते हैं।
  - **केंद्रीय काराकुम के उप-समृद्धि के त्वरित औद्योगिक विकास में बाधा उत्पन्न** करता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/gateway-of-hell-turkmenistan